

भारत के राजपत्र के भाग ।। छड ३(१) में प्रकाशनार्थ

भारत सरकार

केन्द्रीय पुस्तकालय बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक 18-३-1982

अधिसूचना

आयकर

सं० ५१३५ (मर० सं० २६ ।/२०/८२-आ०क०८४०) आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ व्य ४३) की धारा १२२ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में दिनांक १४-३-१९८२ की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं० ४४१४ (मर० सं० २६ ।/१५/८१-आ०क०८४०) का विवरण दिया जाएगा जिसमें विनियोग कर बोर्ड, सरदारपाला, निक्षेप देता है कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ (२) में विनियोग रेजी के अधीनीय सहायक आयकर आयुक्त, आयकर से नियांत्रित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़कर जिन पर अधिकारिता आयकर आयुक्त (अमौल) में निहित है, उससे अनुसूची के स्तम्भ (३) की तर्ज संबंधी ग्रन्डिट में विनियोग आयकर, परिमङ्गलनों, वाहीं तथा जिलों में आयकर से नियांत्रित सभी व्यक्तियों और आय के दोनों में आमे कार्यों का निर्वाचन करेंगे :—

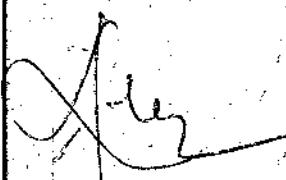
अनुसूची

मर० सं०	रेज	आयकर परिमङ्गल/बाह्य तथा जिले
(१)	(२)	(३)
i. इलाहाबाद रेज 'क'	(१) (३) बाहर (३) वाहीं को छोड़कर, इलाहाबाद ।	(१) (३) बाहर (३) वाहीं को छोड़कर, इलाहाबाद परिमङ्गल ।
ii) केन्द्रीय परिमङ्गल, इलाहाबाद ।		
(iii) फतेहपुर ।		
(iv) जौनपुर ।		

(कृ०४०३०)

(1)	(2)	(3)
२. इलाहाबाद रेज, 'झ', इलाहाबाद ।		i) रसोआईसोरो इलाहाबाद के तथा स्थावर्द्ध । ii) (ध) तथा (ड.) वर्ड इलाहाबाद परिमहल । iii) प्रतमगढ़ । iv) सुल्तानपुर । v) मिस्रपुर परिमहल के तथा स्थावर्द्ध । vi) रोबर्ट्सन ।
३. वाराणसी रेज 'क', वाराणसी ।		i) वाराणसी परिमहल के क, ख, ग वर्द्ध । ii) केन्ड्रीय परिमहल, वाराणसी । iii) बलिया ।
४. वाराणसी रेज 'छ', वाराणसी ।		i) वाराणसी परिमहल के घ, ङ, च तथा छ वर्द्ध । ii) मावीपुर । iii) मोनाथ भैंसन । iv) भदोही ।
५. गोरखपुर रेज।		i) क, ख, ग, घ तथा छ वर्द्ध, गोरखपुर । ii) केन्ड्रीय परिमहल, गोरखपुर । iii) देवरिया । iv) झती । v) चहराइच । vi) गोडा । vii) अल्लाक तथा झ वर्द्ध, फेलाबाद । viii) आजमगढ़ ।

2. वहाँ कोई अधिकर परिमण्डल, वार्ड तथा जिला अधिकार उसके केरे भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेज से किसी अन्य रेज में अंतरित कर दिया जाता है, उस अधिकर परिमण्डल, वार्ड तथा जिला अधिकार उसके किसी भाग में बिंदु गए वर्णनारूपों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तरीख से तत्काल पूर्व उस अधीलीय सहायक अधिकर आयुक्त के समका विचारधीन पढ़ी जाती, जिसके अधिकार क्षेत्र से उस अधिकर परिमण्डल, वार्ड अधिकार जिला अधिकार उसके केरे भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तरीख ये रेज के अधीलीय सहायक अधिकर अधिकृत की वर्षगी, तथा उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की वर्षगी जिसके अधिकार क्षेत्र में उस परिमण्डल, वार्ड अधिकार जिला अधिकार उसके केरे भाग अंतरित किया गया हो ।
3. वहाँ सभी परिमण्डल, वार्ड अधिकार जिले, जिनका मुद्रालय, किसी स्थान विशिष्ट पर है, एक अधीलीय सहायक आयुक्त के सुपुर्दि किये गए हो वहाँ वह इन मुद्रालयों के परिमण्डलों, वार्ड तथा जिलों के संबंध में भी क्षेत्रिकार का प्रयोग करेगा जो अब समाप्त भी हो चुके हैं ।
4. यह अधिसूचना 1-4-1983 से लागू होगी ।



(नैराम्य सुलतान)
अवर सचिव,
केंद्रीय प्रदानी कर बोर्ड

सेवा में,

प्रबन्धक
भारत सरकार वेत्र,
मध्यपुरी, नई दिल्ली ।

.....

78-37983

• 5135 (PNo. 261 [20782 PL])

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

.....

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%
100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100%

100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100%

100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100% 100% 100% 100% 100% 100%

100% 100%

.....